

जबरन क्रि.वि. (अर.) जबरदस्ती, बलपूर्वक।

जबरा वि. (फा.) बलवान, बली 2. मजबूत, दृढ़ 3.

ऊपरी, ऊँचा क्रि.वि. ऊपर पु. ह्रस्व-अकार बोधक चिह्न।

जबराइल पुं. (अर.) फरिश्ता, देवदूत

जबर्दस्ती स्त्री. (अर.) दे. जबरदस्ती।

जबल पुं. (अर.) पहाड़, पर्वत।

जबान स्त्री. (फा.) 1. जीभ, जिह्वा 2. भाषा मुहा.

जबान कतरनी की तरह चलना- बहुत अधिक अनुचित बातें करना; जबान को लगाम देना- चुप हो जाना; जबान खींचना- कठोर दंड देना; जबान खुलवाना- कहने पर विवश होना; जबान खोलना- बोलना; जबान चलाना- अनुचित शब्द बोलना; जबान पर ताला लगाना- चुप रहने को विवश करना; जबान पर मुहर लगाना- बोलने पर रोक लगाना; जबान पर लाना- उच्चरित करना, मुँह से कहना; जबान पलटना- वचन तोड़ना; जबान पर होना- याद रहना, स्मरण रहना; जबान बंद करना- चुप होना, वाद विवाद में कुछ न बोलना, हरा देना; जबान बिगड़ना- अशुद्ध उच्चारण करना, अपशब्द बोलना; जबान में कीड़े पड़ना- अशुभ बोलने का फल मिलना; जबान रोकना- सोच समझकर बोलना; जबान निकालना- उच्चारित होना, बोल जाना; जबान हिलाना- मुँह से शब्द निकालना; जबान बदलना- अपनी बात से फिर जाना, जबान पलटना; जबान देना- वचन देना।

जबान दराजी स्त्री. (फा.) धृष्टता, ठिठाई, गुस्ताखी।

जबान बंद पुं. (फा.) 1. जबान बंद करने वाला ताबीज 2. लिखित साक्षी या इजहार।

जबान बंदी स्त्री. (फा.) साक्षी के रूप में कथन 2. लिखित इजहार 3. मौन, चुप्पी।

जबानी वि. (फा.) मौखिक।

जबाब पुं. (अर.) दे. जवाब।

जबावी वि. (अर.) जवाब संबंधी, जिसका जवाब देना हो।

जबु प्रस्थ पुं. (तत्.) एक प्राचीन नगर, संभवतः आज का जम्मू नगर।

जब्त पुं. (अर.) दंड स्वरूप संपत्ति का हरण, जायदाद छीनना 2. धैर्य 3. प्रबंध, इंतजाम।

जब्ती स्त्री. (अर.) जब्त करने ही क्रिया या भाव, कुर्की।

जब्बर पुं. (फा.) बलवान, शक्तिशाली।

जब्बार वि. (फा.) बलवान, ताकतवर, शक्तिशाली।

जब्रन क्रि.वि. (अर.) बलपूर्वक, जबरदस्ती से।

जब्री वि. (अर.) जबरन, जबरदस्ती, बलपूर्वक।

जब्रीया क्रि.वि. (तत्.) जबरदस्ती से (अर.) जो ईश्वर या नियति को सर्वोपरि मानता है।

जब्रील दे. जिब्रील।

जब्ह पुं. (अर.) गला काटकर जान लेने का काम मुहा.- जब्ह करना, बहुत कष्ट देना।

जम पुं. (फा.) दे. यम।

जमई वि. (फा.) जमा संबंधी, नगदी।

जमघट पुं. (देश.) लोगों की भीड़, जमावड़ा, मजमा।

जमघट्ट पुं. (देश.) दे. जमघट।

जमघर पुं. (तद्.) यमराज का घर, यमलोक, यमालय।

जमदग्नि पुं. (तत्.) एक वैदिक ऋषि जिसकी गणना सप्त ऋषि में की जाती है।

जमना अ.क्रि. (तद्.) किसी द्रव का ठंडक के कारण गाढ़ा होना तथा ठोस हो जाना 2. अच्छी तरह स्थित होना 3. एकत्र होना मुहा. दृष्टि जमना- किसी पर नजर गड़ना; मन में बात जमना- किसी बात का दिल पर अंकित हो जाना; रंग जमना- प्रभाव पड़ना, पैदा होना, फूटना, उत्पन्न होना स्त्री. 1. एक प्रकार की घास जो वर्षा के बाद खेतों में उगती है। 2. यमुना नदी।

जमनोत्तरी स्त्री. (तद्.) यमुना का उद्गम स्थान।

जमपुर पुं. (तत्.) दे. यमपुर।